RAJYA SABHA

Friday, the 28th March, 2025*/7 Chaitra, 1947 (Saka)*

The House met at eleven of the clock,
MR. CHAIRMAN *in the Chair.*

OBSERVATIONS BY THE CHAIR

MR. CHAIRMAN: Hon.Members… *…(Interruptions)…* Hon.Parliamentary Affairs Minister, let the Members take their seats.

संसदीय कार्य मंत्री; तथा अल्पसंख्यक कार्य मंत्री (**श्री किरेन रिजिजु**): ठीक है, सर। पहले सुन लेते हैं।...(**व्यवधान**)...

MR. CHAIRMAN: Hon. Members, whether it is from this side or that side… …(*Interruptions*)… माननीय सदस्यगण, please… … …(**व्यवधान**)... Hon. Members, if we, as Members of this House, express in the manner we are doing, irrespective of gravity or enormity of the situation, then, we are not contributing to evolution of peace in society. And, we will have to introspect and reflect that, in this House, on such sensitive issues, if we do not send a message of peace and tranquility, then, we will be failing in our duty. हर परिस्थिति में हमारा आचरण मर्यादित होना चाहिए, संजीदगी का होना चाहिए, परंतु मनुष्य जीवन में कई बार भाव या भावना में बह जाता है। There is always an occasion when we are carried away by emotion. We must be in rectification area. But, I wish to make it very clear that sentiments of the people are very precious. Similarly, dignity of a Member of the House, his security, his prestige is equally important. I would appeal to all segments of the House that what happened in the House was expunged for a simple reason that it was outrageous, it was unexpected of a Member, but our problem, because of technology, is that whatever we expunge is expunged only in our record. Social media gives traction to it. Personally, for me, let me tell you, I was a student of Sainik School, Chittorgarh; the fort, I used to see every day and Rana Sanga was such a venerable figure. He lost his one hand; he lost his one leg, in fact, he lost half of his body fighting valiantly. A symbol of chivalry, a symbol of patriotism, a symbol of nationalism, he fought till the last drop of blood in his body. I had seen it as a child; for six years, my house was in front of the fort at a distance, but visible. We have heroes all over. We have Shivaji, we have Rana Sanga, we have Maharana Pratap, there are a number of them. We have heroes in every community. We have Birsa Munda. I mean, there are many. I would,

therefore, urge this House to unanimously endorse that, as Members of this House, we will maintain highest rectitude when it comes to sensitive issues. Yes, hon. Minister.

श्री किरेन रिजिजु: सर, आपने अभी जो कहा है, उससे हम लोग पूरी तरह से agree हैं। आपने देश के sentiments को यहाँ रखा है। हम दिल से यह मानते हैं कि आपने जो कहा, वह बहुत सही कहा और यही देश का sentiment है। मैं सिर्फ इतना पूछना चाहता हूँ कि कांग्रेस पार्टी और बाकी लोग भी इससे सहमत हैं या नहीं, वे एक बार बता दें। हमने अभी खुद अपनी पार्टी के एमपीज़ को रोका और कहा कि आप चेयरमैन साहब की बात सुन लीजिए। अगर इस सदन में देश के हीरोज़ की कोई insult करता है, तो मैं नहीं मानता हूँ कि यह मुद्दा अकेले सिर्फ रामजी लाल सुमन जी का है। वे बहुत सीनियर एमपी हैं, हम लोग लोक सभा में भी साथ रहे हैं, वे कई साल पहले भी यहाँ आए हैं। मैं उनको व्यक्तिगत तौर पर और एक साथी के तौर पर इज्जत देता हूँ। उन्होंने राणा सांगा के बारे में जो वक्तव्य दिया, उसे यहाँ के रिकॉर्ड से हटा भी दिया गया, लेकिन वह बाहर सोशल मीडिया और न्यूज़ में बिल्कुल चल रहा है। जिस भाषा और लहजे में माननीय सदस्य ने राणा सांगा के बारे में बोला है, उसको सुनकर किसी को वह कैसे मंजूर होगा? इसलिए, आपकी बात से सहमत होते हुए और आपकी statement/observation को endorse करते हुए, विशेषकर इंडी गठबंधन के नेता और कांग्रेस पार्टी से भी मैं अनुरोध करता हूँ कि आप भी खुले तौर पर ऐसी statements का खंडन कीजिए और चेयरमैन साहब ने जो observation दी है, उसका समर्थन कीजिए। किसी भी region या जाति के national heroes का देश में और इस सदन में अपमान नहीं करना चाहिए।

श्री सभापति: माननीय मल्लिकार्जुन खरगे जी।

विपक्ष के नेता (श्री मल्लिकार्जुन खरगे): सर, आपने जो बातें रखी हैं, हम उसका स्वागत करते हैं। इस देश में जो भी patriots हैं, जो देश के लिए लड़े हैं, उनका मैं सम्मान करता हूँ, लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि कोई भी कानून अपने हाथ में ले ले। अगर कोई किसी के घर पर जाकर तोड़-फोड़ करता है, उसकी संपत्ति को तोड़ता है, तो यह हम कभी नहीं मानेंगे, इस चीज़ का मैं खंडन करता हूँ।...(**व्यवधान**)... हम आपकी बात से सहमत हैं, लेकिन ये वह मुद्दा उठाकर एक को जान से मारने की कोशिश करते हैं, उसके घर पर जाते हैं और उसकी गाड़ी तोड़ते हैं, घर तोड़ते हैं। ...(**व्यवधान**)... दलितों के खिलाफ यह जो अपमानजनक चीज़ें हो रही हैं, ये हम कभी सहन नहीं करेंगे। ...(**व्यवधान**)...

MR. CHAIRMAN: Hon. Members, ...*(Interruptions)*... Only yesterday, I had indicated a very explosive situation that there was a time when whatever a Member spoke in the House and it was expunged, it was expunged because we did not have the speed of electronic messaging. But now, it is beyond us. Proceedings are there. That being the situation, expunction in the House does not have a practical meaning. It has the

meaning only for the repository of the record. I, therefore, had indicated that the Ethics Committee, headed by Shri Ghanshyam Tiwari, will engage into wider consultations to evolve a code of conduct, so that the Members, when they speak on sensitive issues, they are extremely careful and they are really sensitive. I am sure both the situations have their separate merit. One, what was spoken in the House, I do not wish to repeat. But noone in the House will endorse it. Words were chosen that were avoidable. Aspersions were cast; that should not have happened. Historical perspective was absolutely in oblivion for making reflections about one of the greatest fighters and sons of Bharat. The hon. Member, after having made the observations, has accepted the expunction. I would, therefore, urge everyone that from this House, let us send a call to all those who are agitated outside. And their number, I can share with hon. Members, is very extensive and not limited to one State. Therefore, let us calm down the atmosphere a little more in harmony with our values. Similarly, as was reflected by Kharge*ji*, we have to take care of the security of the person concerned also. It goes both ways. I would urge Members of the House... ...(*Interruptions*)...

डा. राधा मोहन दास अग्रवाल (उत्तर प्रदेश): महोदय, मैं एक बात कहना चाहूंगा।

MR. CHAIRMAN: Before that, Radha Mohan*ji,* Pramod Tiwari *ji* wanted to say something. Pramod*ji*, do you want to say something?

श्री प्रमोद तिवारी (राजस्थान): सर, हमारे एलओपी ने भावनाएं दर्शा दी हैं। मेरा सिर्फ यह कहना है कि एक तरफ आप यह कह रहे हैं कि जो डिलीट हो गया, कार्यवाही का हिस्सा नहीं रहा, वह दोहराया नहीं जाना चाहिए। मैं आपकी इस बात का सम्मान करता हूं। लेकिन आज क्या हो रहा है? उसी को दोहराया जा रहा है। मैं स्पष्ट कहना चाहता हूं कि राणा सांगा इस देश के बहादुर थे। हमारे हीरो थे, हम उनका हीरो की तरह सम्मान करते हैं। मैं फिर दोहराना चाहता हूं कि राणा सांगा या किसी भी जाति, धर्म के हीरो नहीं हैं, वे देश के हीरो हैं और जो राणा सांगा की तारीफ न करने दें, तो वे क्या हैं, आप इसी से अंदाजा लगाइए। मैं राणा सांगा की वीरता को प्रणाम करता हूं। राणा सांगा इस देश के नेशनल हीरो थे ...(**व्यवधान**)... और वहीं समर्थन करता हूं कि आप किसी का घर तोड़ नहीं सकते। ...(**व्यवधान**)...

MR. CHAIRMAN: Now, please. Thank you. *...(Interruptions)...* Hon. Members, please... *...(Interruptions)...* Dr. Radha Mohan Das Agrawal.

डा. राधा मोहन दास अग्रवाल: सभापति महोदय, माननीय सदस्य रामजी लाल सुमन जी ने उस दिन जो कहा था, अगर उन्होंने महसूस कर लिया होता कि गलती से कह दिया या भाषण देने के

आवेश में उनके मुंह से निकल गया। अगर उन्होंने सदन के भीतर और सदन के बाहर भी यह स्पष्टीकरण दिया होता कि मैं ऐसा नहीं कहना चाहता था और यह कह दिया होता कि मैंने जो कुछ कहा, मैं उसके लिए शर्मींदगी महसूस करता हूं, उसके लिए पूरे देश से माफी मांगता हूं, तो ये बातें उसी समय ...(**व्यवधान**)...आप मुझसे तेज हल्ला नहीं मचा पाएंगे, इसलिए शांति से सुनिए। अगर मैं हल्ला मचाऊंगा, तो आप डिस्टर्ब हो जाएंगे ...(**व्यवधान**)...तो बातें उसी दिन खत्म हो गई होतीं। आश्चर्य की बात यह है कि माननीय सांसद जी का बयान आया, मैं मरते-मरते मर जाऊंगा, लेकिन मैं अपनी बात वापस नहीं लूंगा। जब तक जीवित रहूंगा, तब तक इस बात को वापस नहीं लूंगा। इस तरह का बयान यह बताता है कि जो कुछ उन्होंने कहा था, सोच-समझ कर कहा था, होशोहवास में कहा था, नियोजित तरीके से कहा था और यह जो संपूर्ण इंडि ठगबंधन है, यह इस इंडि ठगबंधन की मानसिकता को द्योतक करता है। ...(**व्यवधान**)...महोदय, एक बार एक सदस्य के द्वारा कहे हुए शब्दों को तो छोड़ा जा सकता था, लेकिन माननीय नेता प्रतिपक्ष ने कांग्रेस का राष्ट्रीय अध्यक्ष होते हुए, आज इस सदन में जो कुछ भी कहा है, वह अक्षम्य है। ...(**व्यवधान**)...वह अपराधियों को पूरी तरह संरक्षण देने का काम कर रहा है। उन्होंने राणा सांगा को जानबूझकर दलित समाज से जोड़कर, दलित का मुद्दा उठाकर राणा सांगा को दोबारा अपमानित किया है, ...(**व्यवधान**)...और इस मामले का राजनीतिकरण किया है। ...(**व्यवधान**)...यह कांग्रेस की सोची हुई मंशा है। डा. अम्बेडकर एक दलित थे। डा. अम्बेडकर ने 25 अप्रैल को कहा था कि चाहे जो भी हो जाए, लेकिन इस देश की कांग्रेस में कभी नहीं जाया जा सकता है। कांग्रेस को लेकर दलित समाज की यह चिंता थी। आज खरगे जी ने अपनी उसी मानसिकता को, जो देश की स्वाधीनता आंदोलन की लड़ाई लड़ते हैं, उसी को सिद्ध किया है। सर, इतिहास गवाह है कि यह कांग्रेस इरविन के साथ समझौता करती थी और हमारे देश के संघर्ष करने वालों को फांसी पर चढ़ाने के समझौते किया करती थी। इस देश का इतिहास गवाह है कि ये राष्ट्र विरोधियों के साथ रहने के आदी हैं। ...(**व्यवधान**)...ये deep state के हिस्से हैं।

MR. CHAIRMAN: Hon. Members...*(Interruptions)*...

डा. राधा मोहन दास अग्रवाल: इसलिए आपका कहना अपनी जगह सही है, लेकिन जब तक रामजी लाल सुमन जी और कांग्रेस पार्टी दोनों खड़े होकर माफी नहीं मांगेगे, तब तक हम इस मामले में समझौता नहीं करेंगे। ...(व्यवधान)...

MR. CHAIRMAN: Hon. LoP. ...*(Interruptions)*... One minute. ...*(Interruptions)*... And Kharge*ji*, I would only make one appeal. One thing emanates from Dr. Radha Mohan Das Agrawal's reflections here. The hon. Member, who made highly disparaging objectionable remarks here, -- the remarks were expunged -- according to the hon. Member, Dr. Radha Mohan Das Agrawal, the hon. Member has reiterated that: "I stand by those disparaging observations and will never retract." Now, I am not aware about the reality of it. But if that be so......*(Interruptions)*... No; if that be so, then,

you keep that in mind because according to me what has been expunged in the House, the hon. Member will not reiterate. But, if the hon. Member has asserted that he will continue to say so all his life, then, that requires deep-thought process. ...*(Interruptions)*... Now, hon. Leader of the Opposition. ...*(Interruptions)*...

श्री मल्लिकार्जुन खरगे: सभापति महोदय, मैं वाद-विवाद में नहीं पड़ना चाहता हूं। मैंने पहले ही कहा है कि आपने जो बातें कही हैं, राणा सांगा के बारे में, राणा प्रताप जी के बारे में, जो बातें कही हैं और देश के अन्य भागों में भी जो लोग देश के लिए लड़े, मरे, अपनी जान दी, हम उन सभी का सम्मान करते हैं – यह बात मैंने कही है। आपने जो बात कही है, मैंने उसको सेकंड किया है, तो फिर इनको उस पर क्या आपत्ति है? सभापति महोदय, मैंने दूसरी बात यह कही कि किसी बात पर आप में और उनमें, यदि आपके और उनके इतिहासकार हैं और उनमें मतभेद है, आप जुदा हैं, लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि किसी का घर जला दो, किसी के घर पर बुलडोज़र चला दो, किसी का कुछ कर दो, किसी के बच्चों को मारो। ...(**व्यवधान**)... सर, मैं यह बात नहीं मानता, संविधान इसकी परमिशन नहीं देता है। जब संविधान की परमिशन नहीं है, तब यहाँ पर ये बातें लाना ठीक नहीं है। इसीलिए मैं आपसे अपील करता हूं कि उन्हें कम से कम इतिहास पढ़कर कहना चाहिए। ...(**व्यवधान**)... उन्हें इतिहास पढ़कर एक-दूसरे से बात करने दीजिए। मैं तो आपकी बात को सपोर्ट कर रहा हूं। ...(**व्यवधान**)...

श्री किरेन रिजिजु: सभापति जी, the Leader of the Opposition, माननीय मल्लिकार्जुन खरगे जी ने जो मिस्टेक पहले की थी, उसको फिर से दोहरा रहे हैं। कोई भी observation और कोई भी acceptance unqualified होनी चाहिए। शुरूआत में तो यह ठीक लगता है कि चेयरमैन साहब ने जो बोला है, वह ठीक है, मैं उसे मंजूर करता हूं, लेकिन वे इसके साथ-साथ जो जोड़ते हैं कि दलित हैं, इसलिए attack किया है, अगर वे ऐसा नहीं बोलते, तो जो प्रकरण हुआ है, वह उससे जुड़ा हुआ है। दलित बोलकर जो भी घटना बताई है, वह नहीं है। उस वक्तव्य की वजह से यह इश्यू खड़ा हुआ है। आप एक दलित हैं ...(**व्यवधान**)... हम एक रिज़र्व केटेगरी हैं, यहाँ पर violence को कोई भी जस्टिफाई नहीं कर सकता है। चेयरमैन सर, हमारे लोकतंत्र में बोलने की आज़ादी है, हमारा देश नियम- कानून से चलता है, हम लोगों में इस बात पर कोई विरोधाभास नहीं है, लेकिन आप बार-बार यह कह रहे हैं कि दलित है, इसलिए अटैक किया है। इस सदन में जो मेम्बर, जो भी वक्तव्य देता है, वह एक responsible statement होनी चाहिए, लेकिन आप कैसे जंप मारकर कहते हैं कि दलित है, इसलिए attack किया है। ऐसा कहकर आप जाति को इसमें क्यों जोड़ना चाहते हैं। यह जाति, धर्म का विषय ही नहीं है। एक मेम्बर ने जो statement दी है, यह उसका खंडन करने का विषय है। एक तरीके से आपने इस बात को समर्थन दे दिया है कि हमारे रामजी लाल सुमन ने जो कहा है, वह सही कहा है, ऐसा करके आप एक तरह से इसको

endorse कर रहे हैं। आप चेयरमैन की observation को unqualified endorse कीजिए। ...(**व्यवधान**)...

MR. CHAIRMAN: Now, hon. Leader of the Opposition.

श्री मल्लिकार्जुन खरगे: सभापति जी, वह बात दोहराकर असत्य बात को सत्य करना चाहते हैं। मैंने आपको बोला है कि मैं आपका समर्थन करता हूं। आपने जो स्टेटमेंट बोली हैं, मैंने उसके लिए कहा। मैंने यह कहा है कि कोई भी सदस्य हो, वह चाहे दलित हो, सवर्ण हो, दूसरा कोई भी हो, क्या आप अपने हाथ में कानून लेकर उस सदस्य का घर बरबाद कर सकते हैं? सभापति महोदय, मुद्दा यह है कि एमपी की सुरक्षा होनी चाहिए। कोई भी रहे, लेकिन एमपी की सुरक्षा होनी चाहिए।

MR. CHAIRMAN: Shri Piyush Goyal...*(Interruptions)*... Hon. Members, before I give the floor to him, a serious development that has taken place is what has been indicated by Dr. Radha Mohan Das Agrawal.He says that after these objectionable, disparaging words against a great patriot of this nation were expunged by the Chair, the hon. Member has, in public domain, taken a firm stand that he stands by those observations and he will never retract those observations. If that be the situation, I would expect Prof. Ram Gopal Yadav, after Shri Piyush Goyal, to clarify the situation. Let us take all steps... ...*(Interruptions)*... Let us take all steps so that a voice emanates from this House, we calm down the situation. Now, Shri Piyush Goyal.

वाणिज्य और उद्योग मंत्री (श्री पीयूष गोयल): माननीय सभापति जी, मैं आपकी बात का समर्थन करता हूं कि वास्तव में जो विषय है, इसके दो पहलू हैं। एक तो, *ab initio*, जो माननीय रामजी लाल सुमन जी ने कहा है, वह इतना निंदनीय है, इतना £का वाक्य है...(**व्यवधान**)...

श्री सभापति: £ वर्ड नहीं। Deleted. ...*(Interruptions)*...यह डिलीट किया जाता है।

श्री पीयूष गोयल: उन्होंने देश और देश के वीरों का इतना ज्यादा घोर अपमान किया है और उसके ऊपर ...(**व्यवधान**)...

श्री सभापति: 'अमर्यादित' ...(**व्यवधान**)... 'अमर्यादित' ...(**व्यवधान**)... वापिस ले लिया है। ...(**व्यवधान**)...

श्री पीयूष गोयल: सर, उन्होंने जो अमर्यादित वाक्य कहा है, पहली बात तो वह कहना ही गलत था, लेकिन जैसा आपने ठीक कहा कि उसके बाद उसको दोहराना, to assert it second time

£ Expunged as ordered by the Chair.

over, to say on television, so that the whole world sees it. देश ही नहीं, बल्कि पूरी दुनिया देख रही है। चाहे हमारा सदन हो, हमारा public discourse हो, उसकी गूंज पूरी दुनिया में उठती है। ऐसे वीरों के लिए कहना कि मैं इपपपपपपककफिर ऐसे शब्द इस्तेमाल करूंगा, फिर इसी प्रकार से देश को बांटने की बात करूंगा और लोगों की जो आस्था है, उसके ऊपर ठोस घाव पहुंचाऊंगा, यह double whammy है, double निंदनीय है। सर, एक तो यह पहलू है। न लीडर ऑफ दि अपोजिशन, न खुद सुमन जी और न ही राम गोपाल जी, इसके ऊपर कुछ कह रहे हैं।

श्री सभापति: सुमन जी बोलना चाहते हैं। ...(**व्यवधान**)... After him, I will give it to Suman*ji*. ...(*Interruptions*)...

श्री पीयूष गोयल: सभापति जी, यह भी इक्वली निंदनीय है कि लीडर ऑफ दि अपोजिशन, इतने वरिष्ठ राजनेता होने के बावजूद, इसको एक ऐसा ट्विस्ट देने की कोशिश कर रहे हैं, जो ये बार-बार करते हैं। हमने इस सदन में कई बार देखा है कि इस देश को जात-पांत पर बांटकर बंटवारा करना। ...(**व्यवधान**)... जात-पांत पर लोगों को भ्रमित करना, false narrative बनाना, यह खरगे जी की बार-बार करने की जो कोशिश होती है, वह भी उतनी ही निंदनीय है। ...(**व्यवधान**)... हम चाहते हैं कि देश में सामाजिक समरसता रहे, देश एकजुट हो, लेकिन यह जो इनकी मंशा है, यह मंशा भी आज एक्सपोज़ हुई है। ...(**व्यवधान**)... माननीय सभापति जी, मैं समझता हूं कि आज समय आ गया है कि दुनिया को, देश को इस सदन से एक मैसेज जाए, इस सदन से एक आवाज गूंजे कि पूरा सदन एक आवाज में, एक स्वर में रामजी लाल सुमन जी के वाक्य को, जो बात उन्होंने कही है, उसको condemn करता है, उसको निंदनीय मानता है। पूरा सदन एक आवाज में दुनिया को बताए कि इस देश की ताकत, हमारी एकता और एकजुटता पर कोई व्यक्ति आहत नहीं पहुंचा सकता है। यह condemn करने का दायित्व आपकी अध्यक्षता में ...(**व्यवधान**)...

MR. CHAIRMAN: Shri Ramji Lal Suman, please. ...*(Interruptions)*... Nothing is going on record except the speaker concerned. ...*(Interruptions)*...

श्री रामजी लाल सुमनः सभापति जी, ...(**व्यवधान**)... सर, हाउस को व्यवस्थित कीजिए। ...(**व्यवधान**)...

MR. CHAIRMAN: The House is adjourned to meet at 12.00 noon, today.

The House then adjourned at twenty nine minutes past eleven of the clock.

The House re-assembled at twelve of the clock,
MR. CHAIRMAN *in the Chair.*